सफलता कि कहानी

फसल प्रबंधन

श्री. मनीराम वमा, ग्राम–झाल, विकासखण्ड–बेमेतरा,जिला–बेमेतरा (छ.ग.)

सेम कि उन्नत किस्म इंदिरा सेम–1, इंदिरा सेम–2 पर नवोश्नवी स्टेकिग कर मालामाल ।

कृषक का नाम–	मनीराम वर्मा
पिताजी का नाम	चूंगन राम वर्मा
उम्र	35 वर्ष
शिक्षा–	12वीं
भूमि	15 एकड़
कृशि में अनुभव	14वर्ष
फसल	सेम, बैंगन, मिर्च, बरबटी, भिण्डी
सिंचाई	ट्यूबवेल
पशुपालन	गाय

नये अन्वेश्ण का विवरण– श्री. मनीराम वर्मा, बेमेतरा जिले के ग्राम झाल के एक प्रगतिशील युवा कृशक हैं। उन्होने कृषि को अपने जीवनव्यापन के रूप में चुना हैं। श्री. मनीराम वर्मा प्रारंभ से हो पारंपरिक रूप से खेती करते रहे हैं। कृशि विज्ञान केन्द्र, बेमेतरा के सम्पर्क में आते हो वैज्ञानिक तरीके से खेती को भ्रुरूवात की। उन्होने अपने खत के मेढ़ों पर एवं खेतों पर लगभग एक एकड़ क्षेत्र पर बॉस कि बल्ली से स्टेकिंग कर इंदिरा गांधी कृशि वि" वविद्यालय, रायपुर को विकसित किस्म इंदिरा सेम–1 एवं इंदिरा सेम–2, लगाया। जिसमें से सबसे ज्यादा मांग इंदिरा सेम–1 किस्म को हैं, जिसकी फलियॉ आकर्शक सफेद रंग, 4–5 सेमी. लम्बी, तथा 2–3 सेमी. चौड़ी होती है, जिनमें 3–4 बीज पाये जाते हैं, जो दिखने में आकर्शक बोल्ड एवं खाने में स्वादिश्ट होते हैं। पहले कृशक दे" ाी किस्म लगाता था उसकी तुलना में इंदिरा सेम –1 से उत्पादन में दुगुनी वृध्दि हो रही है। जो कि निम्नानुसार हैं– अभी तक किसान ने लगभग 8–10 तुड़ाई कर ली हैं। जिसमें उन्होने 30 किलोग्राम प्रतिदिन तुड़ाई करके 40 रूपयें बाजार मूल्य की दर से विक्रय/बेचता हैं। कृशक ने अब तक 5–6 क्विंटल तुड़ाई कर चूका हैं, एवं लगभग 30,000 रूपयें का आय प्राप्त कर चुका हैं, और उपज आना जारी हैं। सेम कि उन्नत किस्म एवं स्टेकिंग तकनीक का उपयोग कर उपज में 35–40 प्रति" ात वृध्दि हुई हैं।

कृषि विज्ञान केन्द्र , बेमेतरा
प्रक्षेत्र परीक्षण (OFT)
फसल - सेम
T1 - कृषक पद्धति
T2 - इंदिरा सेम - 1
T3 - इंदिरा सेम - 2

कृषि विज्ञान केन्द्र , बेमेतरा
प्रक्षेत्र परीक्षण (OFT)
फसल - सेम
T1 - कृषक पद्धति
T2 - इंदिरा सेम - 1
T3 - इंदिरा सेम - 2

कृषि विज्ञान केन्द्र , बेमेतरा
प्रक्षेत्र परीक्षण (OFT)
फसल - सेम

कृषि विज्ञान केन्द्र , बेमेतरा
फसल - सेम